डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 28 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 05 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

किराएं से देना

सेमी फर्नीश्ड मकान

किराए पर उपलब्ध है

1BHK,2BHK,3BHK

सूर्यांश परिसर पद्मावती रिसोर्ट के सामने मेन रोड, मंदसौर

मो- 9981257396

खाद के लिए भटकते धरती पुत्र

अधिकारियों का दावा-10 हजार मेट्रिक टन हो रही उपलब्धता

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। रबी सीजन हो या खरीफ सीजन हर साल खाद की किल्लत होती है। अधिकारी भी पर्याप्त खाद का दावा जरूर करते हैं। लेकिन, जिले में खाद की कमी सामने आती ही है। खाद के लिए परेशानी का दौर अभी भी जारी है। जिले का धरतीपुत्र खाद के लिए भटकने को मजबूर है।

इधर अधिकारी दावा कर रहे हैं कि दो दिन बाद जिले में 8 हजार 700 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध रहेगा। वहीं आने वाले दिनों में उपलब्धता 10 हजार 200 मीट्रिक टन से अधिक हो जाएगी। परंतु वर्तमान में कई जगहों पर खाद के लिए किसान मशक्कत कर रहा है। खाद के लिए किसान सुबह चार-पांच बजे ही केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। सुबह 10 बजे तक केंद्रों पर किसानों की भीड़ लगने लगी है। स्थिति यह है कि कुछ जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस को तैनात करना पड़ा और फिर पुलिस की मौजूदगी खाद वितरित किया गया।

किसानों का कहना है कि अधिकारी कहते हैं कि पर्याप्त खाद है तो फिर हमें समय पर खाद क्यों नहीं मिल रही है। खाद की समस्या से क्षेत्र के किसान बहुत परेशान हैं। घंटों तक भूखे-प्यासे कतारों में खड़े रहने के बाद भी खाद नहीं मिल पा रहा है। किसान पवनकुमार ने बताया कि सुबह से कतार में खड़ा हूं न तो यहां पीने के पानी की व्यवस्था है, न छांव की धूप में खड़े रहकर खाद लेने का इंतजार करना पड़ रहा है।

अव्यवस्थाओं के कारण बनती विवाद की स्थिति...

एक दिन पहले कुछ जगहों पर दोपहर तक किसानों की कतार लगी रही। इस दौरान पहले खाद लेने की आपाधापी में किसानों के बीच धक्कामुक्की होने लगी। इसके चलते व्यवस्था को लेकर कर्मचारियों को पुलिस का सहारा लेना पड़ा। बाद में पुलिसकर्मी किसानों को कतार में खड़े करते रहे और फिर खाद वितरित किया गया।

चार हजार मीट्रिक टन यूरिया आएगा...

खाद की किल्लत के बीच अब अधिकारी कह रहे हैं कि तीन दिन में जिले में चार हजार मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध हो जाएगा। जिले में यूरिया खाद की व्यवस्था पर्याप्त मात्रा में है। आगामी तीन दिन में चार हजार मीट्रिक टन यूरिया जिले को उपलब्ध होना संभावित है। इसके बाद भी समय-समय पर जिले को यूरिया प्राप्त होता रहेगा और पैक्स सहकारी संस्थाओं के साथ-साथ नकद खाद विक्रय केंद्रों पर भी उपलब्ध रहेगा।

मामला पिपलिया मंडी आईसीआईसीआई बैंक के बाहर हुई 39 लाख की लूट का...

व्यापारी के हम्माल ने की थी रैकी, दो युवक गिरफ्तार

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। एक दिन पहले पिपलिया मंडी में व्यापारी के मुनीम से बाइक सवार बदमाश करीब 38 लाख से भरा बेग लूटकर फरार हो गए। बेग और बाइक तो कुछ ही देर में बरामद कर ली गई। लेकिन बदमाशों की तलाश दूसरे दिन भी जारी रही। इसके बाद पुलिस बाइक मालिक के माध्यम से बाइक सवार बदमाशो तक पहुंची। मंडी व्यापारी के यहां काम करने वाले हम्माल ने इस मामले में लूटेरों को पूरी जानकारी उपलब्ध कराई थी। जिसके बाद पुलिस ने हम्माल के खिलाफ भी केस दर्ज किया है। पुलिस कप्तान अनुराग सुजानिया ने बताया कि मामले में अरबाज पिता साबिर खॉ पठान उम्र 25 साल निवासी नाहर सैय्यद मंदसौर और असलम पिता आबिद मेव उम्र 24 साल निवासी खाजपुरा मंदसौर हा मु पिपलिया मंडी को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं भय्यू उर्फ मुबारिक पिता नूर मोहम्मद निवासी विक्रमगढ आलोट जिला रतलाम की तलाश की जा रही है।

दरअसल 3 नवंबर को कृषि उपज मण्डी के सामने आईसीआईसीआई बैंक के मुख्य रोड पर दो अज्ञात बदमाशो द्वारा वीरेन्द्र पिता कन्हैयालाल जैन उम्र 43 साल निवासी मून्दडा कालोनी पिपलिया मण्डी के सिर पर बेसबाल के डंडे से वार कर रूपयों से भरा बेग कुल 38 लाख 90 हजार रूपये लूट कर बाइक से फरार हो गये थे।पुलिस नाकाबंदी के चलते आरोपी अपाचे बाइक छोडक़र भाग गये। पुलिस द्वारा ग्राम तुरकिया- चौथखेडी के बालाजी जंगल की खोह से पैसों से भरा बैग जप्त किया गया। जिसमें कुल 36 लाख रूपये होना पाये गये।

अरबाज को पकड़ा तो हुआ खुलासा...

आरोपी की गिरफ्तारी हेतु मुखबीर तंत्र लगाया गया जिसके परिणामस्वरूप अरबाज पिता साबिर खॉ पठान को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ करते बताया कि उक्त घटना उसने अपने साथी भय्यू उर्फ मुबारिक खॉ पिता नूर मोहम्मद (बाईक चालक) निवासी मेवाती मोहल्ला विक्रमगढ आलोट के साथ मिलकर अंजाम दी थी। जिसमें रूपी सेठ के यहॉ कार्यरत हम्माल असलम पिता आबिद मेव निवासी खाजपुरा द्वारा मुनीम द्वारा बैंक से पैसे लाने के संबंध में बताया था। आरोपी के मित्र असलम पिता आबिद मेव निवासी खाजपुरा को षड्यंत्र रचने के अपराध में आरोपी बनाया गया है। प्रकरण की विवेचना व आरोपियों से पूछताछ कर शेष माल मश्रुका जप्त किया जाना है। आरोपी द्वारा घटना में प्रयुक्त पिस्टल मय एक जिंदा राउंड व घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त की गई है।

बाइक से चला बदमाशों का पता...

टीम द्वारा घटनास्थल से सफेद रंग की अपाचे बाईक जप्त की गई। जिसके इंजिन नम्बर व चेचिस नम्बर के आधार पर बाईक खानपुरा निवासी मंदसौर के नाम से होना पाई गई। बाईक मालिक से पूछताछ करने पर उक्त सफेद रंग की अपाचे तीन साल पहले अरबाज पिता साबिर पठान निवासी नाहर सैयद रोड को बेचना बताया।

मंदसौर में पहली बार दोनों दलों से सामान्य वर्ग के प्रत्याशी

कांग्रेस ने तीसरी बार तो भाजपा ने हमेशा जताया भरोसा, मुकाबला होगा दिलचस्प

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा क्षेत्र मंदसौर पर जीत के लिए भाजपा के यशपालसिंह सिसौदिया और कांग्रेस के विपीन जैन के बीच सीधा मुकाबला है। यह पहला मौका है जब मंदसौर विस चुनाव में दोनों तरफ से सामान्य वर्ग के प्रत्याशी मैदान में हैं। जिससे मुकाबला काफी दिलचस्प रहेगा। यही कारण है कि अब तक कोई समीकरण किसी भी उम्मीदवार के पक्ष में नहीं बैठ पा रहे हैं। मतलब मुकाबला फिफ्टी- फिफ्टी का ही है। विधानसभा में पिछड़े वर्ग की जातियों की बहुतायत के चलते कांग्रेस ने 1957 से लेकर 2018 तक के 14 चुनावों में से 12 में पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों पर ही भरोसा जताया है। वर्ष 1977 में धनसुखलाल भाचावत व 2018 में नरेंद्र नाहटा को कांग्रेस ने मौका दिया और दोनों ही हार गए। अब तीसरी बार कांग्रेस ने सामान्य वर्ग पर भरोसा जताया है।

हालांकि तथ्य यह भी बताते हैं कि कांग्रेस को इस सीट से 6 बार जीत दिलाने में पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की ही भूमिका रही है। पांच चुनाव तो अकेले श्यामसुंदर पाटीदार ने ही जीते हैं तो छठा चुनाव नवकृष्ण पाटिल ने। कांग्रेस ने 2018 से पहले केवल एक बार 1977 में पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सुंदरलाल पटवा के सामने सामान्य वर्ग से धनसुखलाल भाचावत को मैदान में उतारा था, पर वे 9183 मतों से चुनाव हार गए। इधर भाजपा व उसके पहले के विपक्षी दलों हिंदू महासभा, जनसंघ, जनता पार्टी ने हमेशा अगड़ी जातियों के उम्मीदवारों पर ही भरोसा जताया। छह चुनाव भी इन्हीं उम्मीदवारों के भरोसे जीते हैं। 1990 के बाद से 2018 तक हुए सात चुनावों में 1998 को छोड़कर सभी चुनावों में भाजपा ने अच्छे मार्जिन से जीत हांसिल की है।

8 बार भाजपा तो 6 बार कांग्रेस...

अब से पहले हुए 14 चुनाव में भाजपा ने 8 बार तो कांग्रेस ने 6 बार इस सीट पर फतेह हासिल की है। वर्ष 1990 के बाद हुए 7 चुनावों में तो मंदसौर विधानसभा के बदले परिदृश्य ने इस सीट पर भाजपा को ही स्थापित कर दिया है। यहां केवल 1998 में भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा है। उसके अलावा 6 चुनावों 1990, 1993, 2003, 2008, 2013 व 2018 में भाजपा ने लगातार कांग्रेस प्रत्याशियों को शिकस्त दी है। कांग्रेस की ओर से अभी तक सात बार श्यामसुंदर पाटीदार चुनाव मैदान में उतरे। दो बार 1957, 1962 व 1980, 1985 में ऐसा मौका भी आया कि लगातार दो चुनाव भी जीते। इसके बाद तीसरे चुनाव में उन्हें हार ही मिली। इनके अलावा कांग्रेस की तरफ से तीन चुनाव लड़ने का मौका नवकृष्ण पाटिल (1993, 1998, 2003) को ही मिला था, पर वे भी केवल एक बार 1998 में ही चुनाव जीत पाए। भाजपा की तरफ से लगातार तीन चुनाव लडने का मौका कैलाश चावला (1990, 1993, 1998) को भी मिला। वे भी दो चुनाव जीतने के बाद 1998 में हार गए। 2003 व 2008 में लगातार भाजपा को जीत मिली, पर दोनों बार अलग-अलग उम्मीदवार मैदान में थे। वर्तमान विधायक यशपालसिंह सिसौदिया भी लगातार चौथी बार मैदान में है। वे तीन चुनाव लगातार चुके है और इस बार चौका लगाने के प्रयास में है।

छोटी-बड़ी जीत यशपालसिंह के नाम...

मंदसौर विधानसभा के चुनावी इतिहास में अब तक सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड यशपालसिंह सिसौदिया के नाम है। तो वहीं सबसे छोटी जीत भी उनके खाते में ही है। उन्होंने 2013 में कांग्रेस के महेंद्रसिंह गुर्जर को 24295 मतों से हराया था। सबसे छोटी जीत में भी 2008 में लगभग 1600 मतों से महेंद्रसिंह गुर्जर को ही हराया था। इसके पहले विधानसभा चुनावों में अभी तक की बडी जीत 1990 में भाजपा के कैलाश चावला ने दर्ज की थी। उन्होंने कांग्रेस के श्यामसुंदर पाटीदार को 24181 मतों से हराया था। इसके बाद तीसरी बड़ी जीत 2003 में ओमप्रकाश पुरोहित ने कांग्रेस के नवकृष्ण पाटिल को 22909 मतों से हराकर हासिल की थी। कांग्रेस की तरफ से सबसे बड़ी जीत 1998 में नवकृष्ण पाटिल ने कैलाश चावला को 9536 मतों से हराकर दर्ज की थी।

पांच की बजाय छह दिन का होगा दीपोत्सव, धरतेरस दो दिन रहेगी

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बरसो से दीपोत्सव पर्व पांच दिन का होता आया है। इस वर्ष यह त्यौहार 6 दिन का होगा। यह पर्व पांच दिवस में क्रमश: धन तेरस, रूप चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष त्रयोदशी तिथि दो दिन होने से यह पर्व 6 दिनो का होगा। शुरुआत 10 नवंबर को धनतेरस से होगी व भाईदूज पर 15 नवम्बर को समापन होगा।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि यानि धनतेरस 10 नवंबर को मनाई जाएगी। वहीं मासिक शिवरात्रि 11 नवंबर को होगी। 11 नवम्बर को ही सोमवती अमावस्या मनाई जाएगी। इसके अगले दिन 12 नवंबर की सुबह रूप चतुर्दशी मनाई जाएगी, जबकि इसी रात दिवाली मनाई जाएगी।

ज्योतिषाचार्य वेदव्रत तिवारी के अनुसार 12 नवंबर को दिवाली का त्यौहार दोपहर 2.44 से शुरू हो जाएगा। इसका समापन 13 नवंबर को दोपहर 2.56 पर होगा। दीपावली के दिन लक्ष्मी गणेश की पूजा का शुभ मुहूर्त शाम 5.40 से शुरू होकर शाम 7.36 तक रहेगा। निशीथकाल का मुहूर्त देर रात 11.49 से मध्य रात्रि 12.31 तक रहेगा।

अधिनस्थ विभागों के अधिकारी जिलाधीश पर भारी

सुप्रीमों के निर्देशों की नहीं करते परवाह, मनमर्जी के मालिक बने बैठे अधिकारी

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले का सुप्रीमो कलेक्टर होता है। लेकिन, सुप्रीमो के अधिनस्थ कर्मचारी ही कलेक्टर की नहीं सुन रहे। बैठकों में दिए जाने वाले निर्देश बैठक के बाहर होते ही हवा हो रहे हैं। कई विभागों के अधिकारी एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकालने का काम कर रहे हैं। ऐसे एक नहीं अनेक निर्देश है, जिन पर अमल नहीं हो पाया है। पूर्व हो या वर्तमान कई कलेक्टरों के निर्देश के बाद भी अधिनस्थ अधिकारियो द्वारा कारवाई नहीं की गई।

निर्देशों की बानगी कुछ इस तरह है...

हादसे के बाद खनिज विभाग को खदानों के आसपास बाउंड्रीवाल सहित अन्य नियमों का पालन करवाने के निर्देश दिए थे। जिन पर अमल नहीं हुआ।

नगरपालिका को शहर में अवैध रूप से टंगे फ्लेक्स हटाने के कई बार निर्देश बैठकों में कई कलेक्टर दे चुके हैं। लेकिन, एक कान से सुनकर दूसरे कान से अधिकारी निकाल रहे हैं।

बिना मुंडेर के कुओं को लेकर खुद वर्तमान कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने निर्देश दिए थे। इक्का-दुक्का जगहों पर कारवाई कर औपचारिकता निभाई गई। अभी भी जिलेभर में कई कुएं मौत को दावत दे रहे हैं।

नियमों को ताक पर रख और बिना रजिस्टर्ड रिसोर्ट को लेकर कार्रवाई के निर्देश कलेक्टर ने दिए थे। इसके बाद भी नगर पालिका ने रिसोर्ट संचालकों को अभयदान दे रखा है।

नगरपालिका में लिफ्ट शुरु करने के निर्देश तत्कालीन कलेक्टर ने दिए। जिससे बुजुर्ग और दिव्यांगो को परेशानी नहीं हो। लिफ्ट कुछ समय के लिए शुरु तो की, लेकिन उपयोग अधिकारियों और सामान ढोने के लिए किया गया।

झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश मानवाधिकार आयोग ने कलेक्टर को दिए। कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को इस संबंध में निर्देशित किया। लेकिन, इक्का-दुक्का कारवाई कर औपचारिकता निभाई गई।

जमीन विवाद में पीटा, भाई सहित 2 पर केस दर्ज

पिपलियामंडी, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद में भाई ने भाई को पीटा, पुलिस ने 2 पर केस दर्ज कियां नाहरगढ थाने पर विशनिया डाक बंगला निवासी कारुसिंह पिता गुलाबसिंह राजपूत ने शिकायत दर्ज कराई कि मेरा छोटाभाई कमलसिंह व उसका साला नाग खजूरी निवासी लाखनसिंह पिता बलवन्तसिंह ने आकर बोला कि तूने दो बीघा जमीन क्यों बेची, कहकर गाली-गलौज कर मारपीट की, जिससे शरीर पर चोंटे आई। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया।

कांग्रेस के दो नेताओं में चल रहा कपड़ा फाड़ काम्पीटिशन-मोदी

कहा-रतलाम आए और सेव नहीं खाए तो रतलाम आना नहीं माना जाता

रतलाम, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रतलाम में तीसरी बार आमसभा को संबोधित करने पहुंचे। संबोधन के दौरान उन्होंने सबसे पहले पूरी दुनिया में लोकप्रिय रतलाम की सेव को लेकर कहा कि रतलाम की पहचान स्वाद के लिए है। रतलाम आये और रतलामी सेव नहीं खाई तो उसे रतलाम आना नहीं माना जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश कांग्रेस के दो बड़े नेताओं कमलनाथ और दिग्विजय सिंह के बीच चल रहे मनमुटाव पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि यहां कांग्रेस के दो नेताओं के बीच कपड़े फाड़ने की कम्पीटिशन चल रही है। अभी तो यह फिल्म का ट्रेलर है। तीन दिसंबर को भाजपा की जीत के बाद यहां कांग्रेस की असली पिक्चर दिखेगी। कांग्रेस की असली सिर फुटव्वल होगी। अभी तो प्रैक्टिस चल रही है। यह दोनों कपड़ा फाड़ नेता तो अपने-अपने बेटों के लिए लड़ाई लड रहे हैं। लडाई इस बात की है कि किसका बेटा मध्य प्रदेश कांग्रेस पर कब्जा करेगा।

मोदी का निशाना कमलनाथ और दिग्विजय सिंह पर था। पिछले दिनों दोनों के बीच मनमुटाव की खबरें आई थी। एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें कमलनाथ ने टिकट कटने पर असंतुष्टें से कहा था कि जाकर दिग्विजय सिंह के कपड़े फाड़ो। जयवर्धन सिंह के कपड़े फाड़ो। दिग्विजय सिंह भी सर्वे के आधार पर टिकटों के बंटवारे को लेकर सवाल उठा चुके हैं। अब भी दोनों को इस घटना पर सफाई देनी पड़ रही है। इसी मुद्दे को मोदी ने रतलाम में चुनावी सभा के दौरान उठाया। उन्होंने कहा कि विकास का रोडमैप क्या होगा, यह कांग्रेस को पता नहीं है। इतनी दूर की कांग्रेस सोच ही नहीं सकती। कांग्रेस के नेता फिल्मी हैं। कांग्रेसियों के डायलॉग भी फिल्मी है। कांग्रेस की घोषणाएं भी फिल्मी हैं। किरदार फिल्मी है तो सीन भी फिल्मी ही होगा। यहां कांग्रेस के दो नेताओं के बीच कपडे फाडने की कम्पीटिशन चल रही है। भाजपा सरकार जो कहती है, वह करती है। हम किसानों के छोटे-बडे खर्चों की चिंता कर रहे हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत देशभर के किसानों को पैसा दे रहे हैं।

घर-घर जाकर मेरा प्रणाम कहना...

मोदी ने अनूठे अंदाज में जनसंपर्क अभियान भी शुरू कर दिया। उन्होंने सभा में आए लोगों से आग्रह किया कि सरकार तो बन ही जाएगी। शत-प्रतिशत बूथों पर कमल खिलना चाहिए। मेरा एक काम और करना होगा। यह चुनावी काम नहीं है। यह काम मेरे लिए करने को कह रहा हूं। यहां से घर-घर जाइए। घर जाकर कहिए कि मोदी जी रतलाम आए थे। उन्होंने आपको प्रणाम कहा है। हर परिवार को मेरा प्रणाम पहुंचेगा तो बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। उनका आशीर्वाद मिलता है तो मेरे काम करने की ताकत अनेक गुना बढ जाती है।

वंशवाद को बढ़ावा देने का आरोप...

मोदी ने कहा कि यहां के कांग्रेस के शीर्ष नेता आपस में क्यों लड रहे हैं? यह लडाई सीएम की कुर्सी के लिए नहीं है। उन्हें पता है यहां उनकी दाल नहीं गलने वाली है। वह लोग तो अपने-अपने बेटों के लिए लडाई... शेष पेज 4 पर

विचार-मंथन

भारत-बांग्लादेश: आर्थिक साझेदारी से दूरगामी प्रभाव पड़ेगा

इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत के लिए बांग्लादेश एक अहम पड़ोसी है और आर्थिक साझेदारी सहित कई स्तर पर चल रही सहयोग आधारित परियोजनाएं दोनों देशों के लिए काफी महत्त्वपूर्ण हैं। यही वजह है कि समय-समय पर वैसी परियोजनाओं को लेकर दोनों पक्ष गंभीर रहे हैं, जिनसे परस्पर संबंधों में बेहतरी के साथ-साथ आर्थिक मोर्चे पर नए आयाम खुल सकें। बुधवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने संयुक्त रूप से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जिन तीन विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, वे न केवल कारोबार के लिहाज से एक महत्त्वपूर्ण अध्याय हैं, बल्कि दोनों तरफ की आम जनता के लिए उपयोगी और दोस्ती के बंधन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती हैं। गौरतलब है कि भारत की सहायता से जिन तीन परियोजनाओं की शुरुआत हुई, उनमें त्रिपुरा के निश्चिंतपुर और बांग्लादेश के गंगासागर के बीच रेल संपर्क, खुलना-मंगला बंदरगाह रेल लाइन और मैत्री सुपर थर्मल बिजली संयंत्र की दूसरी इकाई शामिल हैं। ये तीनों परियोजनाएं सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देने के साथ-साथ दोनों देशों के बीच आवाजाही में लगने वाले समय को भी कम करेंगी। इस मौके को भारत और बांग्लादेश के बीच सहयोग के जारी सफर की एक और कामयाबी के तौर पर देखा जा सकता है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से संबंधों में सुधार की दिशा में एक निरंतरता कायम है। यह बांग्लादेश में निवेश को लेकर चीन की विशेष दिलचस्पी के बावजूद संभव हुआ है। इससे पहले बीते नौ वर्षों के दौरान तीन नई बस और तीन नई रेल सेवाएं शुरू की गईं। तीन साल पहले से दोनों देशों के बीच कंटेनर और पार्सल ट्रेन चल रही है और समुद्री मार्ग को भी सवारी और माल की आवाजाही के लिए विकसित किया गया। इस संदर्भ में विश्व की सबसे बड़ी क्रूज सेवा 'गंगा विलास' के शुरू होने के बाद पर्यटन को बढ़ावा मिला है, वहीं चटगांव और मंगला बंदरगाह के रास्ते से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों को जोड़े जाने का लाभ दोनों देशों को हुआ है। इसी साल मार्च में भारत-बांग्लादेश डीजल पाइपलाइन का उद्घाटन भी हुआ, जिसे ऊर्जा सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने के लिहाज से काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल, भारत की 'पड़ोसी पहले' की नीति में बांग्लादेश को खास माना जाता है। यों भी दोनों देशों के बीच आर्थिक तकाजों के साथ-साथ सांस्कृतिक, भाषाई और सामाजिक संबंध अच्छे रहे हैं। अपने निर्माण से लेकर वर्तमान तक बांग्लादेश भारत के साथ साझा इतिहास और विरासत के पहलू संबंधों की कड़ियों को जोड़ते हैं। सही है कि कुछ मसलों पर उतार-चढ़ाव और अड़चनें रही हैं, जिन्हें वक्त रहते सुलझाना जरूरी है। मगर तीन ओर से भारतीय सीमा से घिरे होने की वजह से बांग्लादेश की भौगोलिक स्थिति में भारत की जगह अपने आप खास हो जाती है। जबकि यही दोनों देशों को एक दूसरे लिए महत्त्वपूर्ण बनाती है। दरअसल, हाल के वर्षों में एशिया के मौजूदा सामरिक हालात के समांतर पाकिस्तान और चीन का रुख जगजाहिर रहा है। हालत यह है कि पाकिस्तान और चीन की ओर से बिना उकसावे के सीमा पर जैसी स्थितियां पैदा की जाती रही हैं, वह भारत के लिए एक चिंता का ही मोर्चा रहा है। वहीं बांग्लादेश की धरती से भारत में अपनी गतिविधियां चलाने वाले अलगाववादी गुटों को अब कुचल दिया गया है, जिसकी वजह से पूर्वोत्तर के राज्यों में शांति लाने में काफी मदद मिली है। जाहिर है, आपसी संबंधों को मजबूत करने के साथ-साथ क्षेत्रीय संतुलन में बेहतरी लाने के लिहाज से दोनों देशों के बीच जो नए आयाम खुल रहे हैं, उसका दूरगामी महत्त्व है।

आरक्षण की आग में जलता महाराष्ट्र...

अजीत द्विवेदी

लोकसभा चुनावों से पहले महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की आग लगी है। मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल शुक्रवार यानी 27 अक्टूबर से भूख हड़ताल पर हैं। इससे पहले भी वे 40 दिन तक भूख हड़ताल पर थे और सरकार के आश्वासन के बाद उन्होंने आंदोलन खत्म कर दिया था। उस समय आंदोलन मोटे तौर पर शांतिपूर्ण रहा था। लेकिन आरक्षण आंदोलन का दूसरा चरण बेहद हिंसक हो गया है। मंगलवार यानी 31 अक्टूबर को एक दिन में नौ लोगों ने आरक्षण के समर्थन में आत्महत्या की। पिछले दो हफ्ते में 26 लोग आत्महत्या कर चुके हैं। इससे पहले 1990 में मंडल आयोग की सिफारिश लागू करने के खिलाफ हुए आंदोलन में ही इससे ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। इस लिहाज से यह सबसे भयावह और हिंसक आरक्षण आंदोलन बन गया है। इस आंदोलन के कई पहलू हैं और सबको समझे बगैर न तो इसको पूर्णता में समझा जा सकता है और न इसके राजनीतिक असर का अंदाजा लगाया जा सकता है। ध्यान रहे यह आंदोलन सामाजिक व आर्थिक रूप से राज्य की सबसे मजबूत जाति कर रही है। इस लिहाज से इसकी तुलना गुजरात के पाटीदार अनामत आंदोलन से कर सकते हैं, जिससे हार्दिक पटेल नेता बन कर उभरे थे। उस समय तक हार्दिक एक अनाम चेहरा थे, जैसे कुछ समय पहले तक मनोज जरांगे पाटिल थे। हरियाणा में जाटों को आरक्षण देने का आंदोलन हो या राजस्थान में गुर्जरों को एसटी में शामिल करने का आंदोलन हो। ये सब एक किस्म के आंदोलन है, जिसमें राज्यों की सबसे मजबूत जातियां शामिल हुईं। अगर इन जातियों की आर्थिक, सामाजिक व शैक्षणिक स्थिति को बारीकी से देखें तो इनकी स्थिति पिछड़ेपन वाली नहीं है। संविधान निर्माण के समय अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की जैसी स्थिति थी या मंडल आयोग का गठन करते समय जैसी स्थिति व्यापक पिछड़े समाज की थी उससे बेहतर स्थिति मौजूदा समय में इन जातियों की है। आर्थिक स्थिति को अगर दरकिनार करें तो सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ापन अपेक्षाकृत कम है। इसलिए मोटे तौर मराठा, पाटीदार, जाट और गुर्जर का आंदोलन राजनीतिक रहा है। इसी वजह से महाराष्ट्र के मराठा आरक्षण आंदोलन को राजनीतिक नजरिए से देखने की जरूरत है। यह विडम्बना है कि अरसे पहले कुनबी जाति के लोग ओबीसी की श्रेणी से बाहर हुए थे। वे पिछड़ा श्रेणी से बाहर निकल कर खुश हुए थे और ऐसा अलग अलग राज्यों में कई जातियों के साथ हुआ था। समाजशास्त्री इसे संस्कृतिकरण की प्रक्रिया बताते थे। इसका मतलब हर पिछड़ी जाति में श्रेष्ठ होने का भाव होना है। लेकिन अब समय का चक्र ऐसा घूम रहा है कि हर जाति पिछड़ी या अनुसूचित जाति, जनजाति में शामिल होना चाहती है। संस्कृतिकरण की प्रक्रिया उलटी चल रही है। इसी प्रक्रिया के तहत मराठा समुदाय कुनबी बनना चाहता है। गौरतलब है कि कुनबी महाराष्ट्र की एक पिछड़ी जाति है। मराठा आरक्षण का आंदोलन कर रहे नेता चाहते हैं कि सभी मराठों को कुनबी का सर्टिफिकेट दिया जाए, जबकि राज्य सरकार कह चुकी है कि सबको कुनबी का सर्टिफिकेट देना मुश्किल है। इस बारे में कहा गया था कि हैदराबाद के निजाम के राज में जिन लोगों के पास कुनबी का सर्टिफिकेट था उनको कुनबी मान लिया जाएगा। लेकिन ऐसे लोगों की संख्या बहुत कम है। तभी मनोज जरांगे बिना किसी शर्त के सभी मराठों को कुनबी में शामिल करना चाहते हैं। इस मांग की वजह से यह पूरा विवाद मराठ बनाम ओबीसी में तब्दील हो गया है। राज्य में ओबीसी आरक्षण 19 फीसदी है और ओबीसी जातियों के संघों का मानना है कि अगर मराठों को कुनबी बना दिया जाता है तो ओबीसी के 19 फीसदी आरक्षण में से ही उनको भी हिस्सा मिलेगा। चूंकि मराठे सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से ज्यादा संपन्न हैं इसलिए वे आरक्षण का ज्यादा लाभ ले जाएंगे। इस आधार पर ओबीसी महासंघ मराठों को कुनबी का सर्टिफिकेट दिए जाने का विरोध कर रहा है। एक अनुमान के मुताबिक महाराष्ट्र में ओबीसी और मराठा वोट लगभग बराबर है। इसलिए कोई भी पार्टी एक समूह को आकर्षित करने के लिए दूसरे समूह को नाराज नहीं कर सकती है। ध्यान रहे भाजपा ने अपनी शुरुआती राजनीति में ओबीसी को ज्यादा तरजीह दी थी। उसके ज्यादातर नेता या तो ब्राह्मण थे या पिछड़ी जाति के थे। अपनी इस कमजोरी की वजह से ही भाजपा ने एनसीपी के अजित पवार को इतनी तरजीह दी। उसे उम्मीद थी कि अजित पवार की वजह से मराठा वोट उसके साथ जुड़ेगा। लेकिन उससे पहले ही यह नया विवाद शुरू हो गया। यह विवाद जल्दी नहीं सुलझने वाला है। राज्य की राजनीति पर इसका बड़ा असर होगा। इस समय जो हालात बन गए हैं उसे देखते हुए यह नहीं कहा जा सकता है कि किसी खास पार्टी को इसका फायदा होगा या किसी खास पार्टी को इसका नुकसान होगा। उलटे महाराष्ट्र की राजनीति और विभाजित हो सकती है। राज्य की दो बड़ी प्रादेशिक पार्टियां- शिव सेना और एनसीपी में विभाजन हो गया है और एक तरह से इन दो की चार पार्टियां बन गई हैं। इन चार के अलावा भाजपा और कांग्रेस दो बड़ी पार्टियां हैं। ये छह पार्टियां ओबीसी या मराठा का पक्ष लेकर राजनीति नहीं कर सकती हैं। इनको दोनों के बीच संतुलन बनाना होगा। भाजपा और कांग्रेस के लिए ज्यादा दुविधा है क्योंकि दोनों महाराष्ट्र के बाहर बाकी राज्यों में ओबीसी वोट हासिल करने की जी-तोड़ मेहनत कर रही हैं। तभी इस बात की भी संभावना है कि जाति आधारित नई पार्टियां बनें, जैसे बिहार, उत्तर प्रदेश या तमिलनाडु आदि राज्यों में बनी हैं। इससे राजनीति और अस्थिरता की ओर बढ़ेगी। ध्यान रहे महाराष्ट्र में पिछले करीब 30 साल से गठबंधन की सरकारें चल रही हैं। इसका एक पहलू यह है कि आरक्षण आंदोलन ने राज्य में पिछले एक साल से स्थापित हो रहा नैरेटिव पूरी तरह से बदल दिया है। जब से शिव सेना टूटी तब से ऐसा लग रहा था कि उद्धव ठाकरे गुट के प्रति सहानुभूति है। फिर एनसीपी टूटी तो शरद पवार गुट के प्रति सहानुभूति बनी। लेकिन अब यह नैरेटिव बदल गया है। सीधे तौर पर इस आंदोलन के पीछे भाजपा की भूमिका नहीं बताई जा रही है लेकिन सबको पता है कि मनोज जरांगे पाटिल के आंदोलन पर जालना में लाठी चली उसके बाद ही यह आंदोलन सबकी नजर में आया और इसका दायरा बढ़ा।

आजकल भ्रम की दुनिया में जीने लगे हैं लोग

महेश परिमल

एक अजीब दुनिया है भ्रम की, जिसमें बहुत सारे लोग डूबे रहना चाहते हैं। इससे निकलना यानी एक ऐसी जिंदगी को कबूल करना, जो उन्हें पसंद नहीं। इसकी वजह यही है कि ऐसे लोग सच्चाई से दूर भागते हैं। सच की कल्पना उनके लिए किसी भयावह जिंदगी जीने जैसी है। हमारे आसपास ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जिन्हें अगर एक बार भी सच का आईना दिखा दिया जाए, तो वे विचलित हो जाते हैं। कुछ समय पहले एक परिचित के घर उनके पड़ोसी का पुत्र आया हुआ था। परिचित ने जिज्ञासावश उससे उसका नाम पूछा, फिर उसकी परीक्षा के परिणाम के बारे में पूछ लिया। तब उसने बताया कि वह अपनी कक्षा में प्रथम आया है। हालांकि बाद में पता चला कि वह बच्चा अपनी कक्षा में चौथे नंबर पर आया था। उसके अभिभावक ने उस बच्चे से यह कहा था कि कोई पूछे तो कह देना कि प्रथम आया हूं। ऐसा अक्सर होता है। लोग मुगालते की सीढ़ियां चढ़ते जाते हैं। वे सोचते हैं कि हम बहुत ऊपर आ गए, पर यह वास्तविकता नहीं है। उस अभिभावक ने अपने बच्चे को मुगालते की तीन सीढ़ियां चढ़ा दीं, पर वे यह भूल गए कि उन्होंने उस मासूम को एक ऐसी दुनिया दिखा दी, जो सच के धरातल पर नहीं, बल्कि झूठ की लिजलिजी जमीन पर टिकी है। किसी भी परिचित को अगर बताया जाए कि हम कहां और क्या काम करते हैं, तब ऐसा भी हो सकता है कि वह परिचित हमारे काम की जगह पर अपना प्रभाव होने के बारे में अपना दंभ प्रदर्शित करे। वहां के लोगों के अपने ऊपर निर्भर होने के बारे में कुछ अजीब दावे भी कर सकता है। जबकि यह भी संभव है कि बात इसके उलट हो और वह व्यक्ति या तो झूठ बोल रहा हो या फिर वह खुद ही दूसरों की मदद का तलबगार रहा हो। ऐसे लोग इसी दुनिया में अलग-थलग रहें, तभी बेहतर है, क्योंकि सच उनके लिए बेहद नुकसानदेह है। वे इस सच को स्वीकार नहीं कर पाएंगे। ऐसा नहीं है कि वे इस सच से वाकिफ नहीं हैं। वे जानते सब कुछ हैं, पर स्वीकार करने की स्थिति में नहीं होते। ऐसे लोग केवल दया के पात्र होते हैं। विडंबना यह है कि आजकल बहुत सारे लोग भ्रम की दुनिया में अधिक ही जीने लगे हैं। कई लोग यह कहते मिल जाएंगे कि उनके बच्चे कंप्यूटर विज्ञान का पाठ्यक्रम करके किसी दूसरी जगह पर एमबीए या अन्य कोई नए विषय पर डिप्लोमा की पढ़ाई कर रहे हैं। हो सकता है कि यह बात सही हो, पर क्या सभी के बच्चे ऐसा ही कर रहे हैं? किसी बच्चे के नौकरीपेशा पालक से उसके वेतन के बारे में पूछा जाए तो आमतौर पर वे बताएंगे नहीं, अगर बता भी दिया तो इतना अधिक बताएंगे कि जिसे स्वीकार करना मुश्किल होगा। इनका सच तब सामने आता है, जब उनके सामने कोई भारी मुसीबत आती है। तब वे अपनों से उधार मांगते भी दिखाई दे देते हैं। यह है भ्रम की एक वायवीय दुनिया, जहां दुनिया भर के ऐशो-आराम के सारे सामान हैं, पर सपनों में। यथार्थ की दुनिया में ये सब बेबस हैं। ये समाज में प्रतिष्ठा पाना चाहते हैं, सम्मान प्राप्त करना चाहते हैं, पर इन्हें यह सब नहीं मिलता, तो ये सब झूठ का सहारा लेते हैं, ताकि इसी बहाने लोग उन्हें महत्त्व दें। इनके पास बातचीत का भी कोई विषय नहीं होता। अपने कथित अच्छे दिनों की याद वे सदा ताजा रखते हैं। कभी उन्होंने कोई बड़ा काम किया था या किसी बड़े नेता या अधिकारी के साथ कुछ पल बिताए होंगे, वही उनके लिए एक उपलब्धि होती है। गलती से उनकी किसी ने प्रशंसा कर दी हो, तो ऐसे लोगों के लिए वही रामबाण होता है, जिससे वे हर मर्ज का इलाज ढूंढते हैं। इनकी पूरी दुनिया इन्हीं कुछ शब्दों और घटनाओं पर टिकी होती है। आजकल ज्यादातर लोग सच की दुनिया में नहीं जीना चाहते। किसी के सपने छोटे नहीं हैं। सभी के पास बड़े-बड़े सपने हैं, पर उसे पूरा करने का माद्दा नहीं है। सपने देखना बड़ी बात है। इसे अवश्य देखना चाहिए, पर इसे पूरा करने का संकल्प भी होना चाहिए। संकल्प का वह जुनून लोगों में दिखाई नहीं देता।

दुर्घटनाओं के आंकड़े सड़क सुरक्षा नियमों की विफलता को दर्शा रहे हैं

ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? सड़क हादसों पर सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की डरावनी, चिन्ताजनक एवं भयावह रिपोर्ट आई है। इसके मुताबिक, पिछले साल 4.61 लाख सड़क हादसे हुए। इन दुर्घटनाओं में 1.68 लाख लोगों ने जान गंवाई। इन आंकड़ों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि तकरीबन हर एक घंटे में 53 सड़क दुर्घटनाएं हुई। हर घंटे इनमें 19 लोगों की मौत हुई। हादसों एवं लापरवाही की खूनी होती सड़कें चिन्ता का बड़ा सबब हैं। सड़कों की 'दुर्घटनाओं' के कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं। सच यह है कि बेलगाम वाहनों एवं यातायात कानूनों एवं नियमों की अवहेलना की वजह से सड़कें अब पूरी तरह असुरक्षित हो चुकी हैं। सड़क पर तेज गति से चलते वाहन एक तरह से हत्या के हथियार होते जा रहे हैं। उक्त रपट यह भी बताती है कि सड़क हादसों की संख्या में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और उनसे होने वाली मृत्यु की दर 9.4 प्रतिशत बढ़ी। इसी तरह सड़क हादसों में घायल होने वालों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। एक्सप्रेसवे हाईवे और राजमार्गों पर ओवर स्पीडिंग जानलेवा दुर्घटनाओं को निमंत्रण देने का ही काम करती है लेकिन न तो वाहन चालक अपनी जिम्मेदारी समझने को तैयार है और न ही सरकारें एवं यातायात पुलिस। बीते वर्ष सड़क हादसों में 66 हजार से अधिक लोगों ने इसलिए जान गंवाई क्योंकि उन्होंने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी या फिर हेलमेट नहीं लगाया था। यह विडम्बनापूर्ण है कि हर रोज ऐसी दुर्घटनाओं और उनके भयावह नतीजों की खबरें आम होने के बावजूद बाकी वाहनों के मालिक या चालक कोई सबक नहीं लेते। सड़क पर दौड़ती गाड़ी मामूली गलती से भी न केवल दूसरों की जान ले सकती है, बल्कि खुद चालक और उसमें बैठे लोगों की जिंदगी भी खत्म हो सकती है। पर लगता है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं शौक का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है? बहुत कठिन है दुर्घटनाओं की उफनती नदी में जीवनरूपी नौका को सही दिशा में ले चलना और मुकाम तक पहुंचाना, यह चुनौती सरकार के सम्मुख तो है ही, आम जनता भी इससे बच नहीं सकती। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 2024 तक देश में दुर्घटनाओं और उनसे होने वाली मौत की संख्या को आधा करने का लक्ष्य रखा है, जो एक उम्मीद जगाता है एवं रोशनी बन रहा है। दुनिया में सर्वाधिक तेजी से उन्नत सड़कों का जाल बिछाने में भारत अग्रणी है। लेकिन सुविधाजनक एवं उन्नत होती सड़कों पर मौत की काली छाया का मंडराना सड़क विकास पर एक बदनुमा दाग है। यह दाग सरकारी रिपोर्ट में ही सामने आया है, जिसके अनुसार देश में 2022 में कुल 4,61,312 सड़क हादसे हुए, जिनमें से 1,51,997 यानी 32.9 प्रतिशत हादसे एक्सप्रेसवे एवं राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) पर हुए। वहीं 1,06,682 यानी 23.1 प्रतिशत हादसे राज्य राजमार्गों जबकि 2,02,633 यानी 43.9 प्रतिशत हादसे अन्य सड़कों पर हुए।

नीतीश और तेजस्वी ने 25 हजार चयनित शिक्षकों को सौंपे नियुक्ति पत्र

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5045

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5044

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

वर्ग पहेली 5045

संकेत: बाएं से दाएं

1. 2006 को इराक के इस राष्ट्रपति को फांसी की सजा सुनाई गई (6)
6. घायल किया हुआ (2)
7. लकड़ी या डंडे के सिरे पर कपड़ा बांधकर जलाने से उत्पन्न की गई रोशनी (3)
9. लवण (3)
11. कुटिलता, छल, पाखंड (3)
12. ठंडा, शीतल, जाड़ा, ठंड (2)
13. अपराध, कसूर (3)
14. तीव्र उत्कंठित होना, प्रबल अभिलाषित होना (4)
15. महीप, सम्राट, किंग, बादशाह (2)
17. हिंदू धर्म मानने वालों का यह तीसरा वेद है जिसमें कुल 1810 ऋचाएं हैं, भारतीय संगीतशास्त्र का आरंभ भी इसी वेद से होता है (4)
18. दिन का दूसरा पहर (2)
20. हाथ, कर (2)
21. किसी रूठे हुए को प्रसन्न करना, फुसलाना, मनाना (3)
22. ग्रीष्म ऋतु में चलने वाली गर्म हवा (1)

(ऊपर से नीचे)

1. बर्दाश्त करने वाला, सहिष्णु (5)
2. खुशबू, सुगंध गमक (3)
3. आहुति के रूप में दिया हुआ (2)
4. वापस आना, एकदम बदल जाना, लौटना, अदल-बदल करना (4)
8. अहित कामना सूचक शब्द (2)
10. मतलबी मित्र, दिखावटी मित्र, स्वार्थी दोस्त (6)
13. मध्यप्रदेश का यह शहर मालवा का प्रवेश द्वार कहलाता है, यहां से 35 किमी राजस्थान की सीमा है (2)
16. फिल्मों की पटकथा लेखक जोड़ी में से एक जिन्होंने फिल्म शोले की पटकथा लिखी थी (3)
17. निवारण करना, परस्पर निर्वाह करना (3)
19. उत्तम पुरुष बहुवचन सर्वनाम शब्द (2)

वर्ग पहेली 5044 का हल

भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए तीन सैनिकों का स्वागत व सम्मान किया

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय सेना से सेवानिवृत होकर लौटे तीनों सैनिकों का अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद मंदसौर द्वारा साफा श्रीफल व माला से स्वागत सम्मान किया साथ ही जिले के सामाजिक संगठनों ने भी सेवानिवृत सैनिकों का स्वागत किया।

साबाखेड़ा मंदसौर के सैनिक दिनेश पाटीदार और बर्डियाखेड़ी मंदसौर के सैनिक हरीश पाटीदार का स्वागत सम्मान यात्रा मंदसौर पशुपतिनाथ से शुरू होकर शहर के बीच से भ्रमण करते हुए महाराणा प्रताप बस स्टैंड होते हुए अपने-अपने गांव के लि निकले वही कुरावन शामगढ निवासी सैनिक विष्णु व्यास शामगढ रेलवे स्टेशन पर उतरे वहां अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद मंदसौर के शामगढ सुवासरा तहसील के पूर्व सैनिकों द्वारा सेवानिवृत्ति सैनिक विष्णु व्यास का साफा श्रीफल व माला से स्वागत सम्मान किया। विष्णु व्यास की स्वागत सम्मान यात्रा शामगढ रेलवे स्टेशन से शिव मंदिर बस स्टेशन होते हुए अपने गांव कुरावन में समापन हुआ जहां पर ग्रामवासियों द्वारा तीनो सेवानिवृत्ति सैनिकों का अपने अपने गांव नगर भ्रमण कर पुष्पवर्षा कर तीनों सैनिकों का भव्य स्वागत सम्मान किया गया। स्वागत जुलूस में देशभक्ति के गानों से सैनिकों के साथ नगरवासी भक्तिमय हुए और जोर शोर से भारत माता के जय कारा से नगर भ्रमणकर पुष्प वर्षा की जगह-जगह हुआ स्वागत। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला, सैनिक संगठन के जिला अध्यक्ष पूर्व सैनिक मुकेश गुर्जर पालड़ी, दीपक राठौर, पूर्व सैनिक गोवर्धन सिंह सिसोदिया सुवासरा तह. प्रभारी विष्णु चौधरी, शामगढ तह.प्रभारी पूर्व सैनिक राजेश खारोल, पूर्व सैनिक एस एस देवड़ा, पूर्व सैनिक शिवराज सिंह गुर्जर, पूर्व सैनिक जगदीश पाटीदार, पूर्व सैनिक कालू सिंह, पूर्व सैनिक राजेंद्र सिंह राठौर मंदसौर तह.प्रभारी ओमप्रकाश, पूर्व सैनिक नरेंद्र पाटीदार, पूर्व सैनिक नरेंद्र खटवड़, पूर्व सैनिक शाकिर अहमद, पूर्व सैनिक भूपेंद्र सिंह, पूर्व सैनिक रामनारायण गुर्जर, पूर्व सैनिक बंशी पाटीदार, पूर्व सैनिक प्रहलाद राठौर, पूर्व सैनिक प्रेमकुमार पुरोहित, पूर्व सैनिक प्रमोद, पूर्व सैनिक राहुल, पूर्व सैनिक पवन, पूर्व सैनिक गोविंद मालवीय सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

संत के साथ चार युवकों ने की मारपीट

घायल संत को उपचार के लिए नाहरगढ़ भेजा, विरोध स्वरुप घेरा थाना

नाहरगढ़, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ नगर के प्राचीन भीमगढ महादेव संत के साथ चार युवकों ने मारपीट की। शिकायतकर्ता गोपाल पिता कैलाश राठौड संत को खराब स्वास्थ्य के चलते शाम लगभग 6 बजे दूध देने भीमगढ महादेव आश्रम पर पहुंचा। इतने में पीछे से बोलेरो सवार चार व्यक्ति भीमगढ आश्रम पर पहुंचे, और संत श्री 1008 कमलनाथ जी से गाली गलौज करने लगे। संत ने अपने कमरे के अंदर दाखिल हो गए, दरवाजा बंद कर लिया। चारों युवकों ने संत के कमरे के दरवाजे पर लात घुसे मारने लगे व दरवाजा खोलकर उनके साथ मारपीट की। मारपीट कर बोलेरो सवार युवक बिल्लोद की ओर भाग निकले।

ग्रामीणों की सूचना के पश्चात बूढा चौकी के जवानों ने नापाखेड़ा चौपाटी पर वाहन सहित चारों युवकों को धर दबोचा। उक्त घटना की जानकारी लगने पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन नाहरगढ थाना परिसर पहुंच गए एवं कडी कार्रवाई की मांग की। संत के साथ हुई मारपीट को लेकर नाहरगढ नगर के युवाओं में जबरदस्त आक्रोश था। नाहरगढ थाना प्रभारी श्री दिनेश प्रजापति ने युवाओं से संवाद किया और उनको समझाने की कोशिश की। समाचार लिखे जाने तक युवा नाहरगढ थाने पर ही मौजूद थे, पुलिस के अनुसार चार आरोपी महेंद्र सिंह, शेर सिंह, अभिषेक शर्मा, हर्षित छोटू शर्मा, पुलिस अभिरक्षा में बूढा चौकी से थाने पंहुची। संत को पैर में चोट आने के पश्चात प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नाहरगढ उपचार के लिए भेजा गया। चारों आरोपियों से पूछताछ जारी है।

महिलाओं ने हाथों पर मेहंदी बनाकर मतदाताओं को किया जागरूक

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोन के तहत जिले में स्वीप गतिविधियों का संचालन जोरो से चल रहा हैं जिसके के तहत जिले में मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किये जाने हेतु जिले की जागरूक महिलाओं ने अपने हाथों पर मेंहदी बनाकर प्रत्येक मतदाताओं को मतदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अपने हाथों पर मेंहदी बनाकर यह संदेश दिया जा रहा हैं, कि मैं-हम-सब वोट करेंगे, वोट देंगे। इस प्रकार के संदेश भी लिख रही है। इस कार्य में महिला मतदाताओं के द्वारा भी विशेष रूचि ली जा रही है। साथ ही सभी लोग आपस में जागरूक हो रही रहे हैं, और अन्य लोगों को भी मतदान के लिये अपील कर रहें हैं।

मतदाताओं की सुविधाओं हेतु घर-घर वोटिंग हेतु प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 में 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं को घर पर ही मतदान की सुविधा प्रदान किये जाने हेतु कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देशानुसार जिले के शासकीय अधिकारी एवं कर्मचारियों जिन्हें डाक मतपत्र कार्य हेतु दायित्व कुशनलतापुर्वक संचालन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम शासकीय महाविद्यालय के कुशाभाउ ठाकरे आटिडोरियम में जिले के मास्टर ट्रेनर्स डॉ. जे.के. जैन एवं अन्य सहायक मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण में बताया गया कि में 80 वर्ष या इससे अधिक आयु के मतदाताओं और दिव्यांग मतदाताओं को घर से मतदान करने की सुविधा के विकल्प को चुनने के लिए घर-घर जाकर निर्धारित फॉर्म 12-डी भरवाए गए हैं। उनकी सूचियाँ तैयार हो गई हैं इन मतदाताओं के घर-घर जाकर सुरक्षा और गोपनीयता के साथ मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराई जाना हैं जिसके लिऐ प्रत्येक विधानसभा में दल गठित किए गए हैं। इन दलों द्वारा 06 से 09 नवम्बर में घर-घर जाकर चिन्हित 80 वर्ष या इससे अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाताओं का मतदान कराया जायेगा। जिसके लिये सभी अपनी तैयारियाँ पूर्ण कर लें, घर-घर डाक मतपत्र के द्वारा मतदान करवाने की सारी सुविधाओ का सारा प्रोग्राम बना लें। सूची अनुसार चिन्हित 80 वर्ष इससे अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाताओं को डाक मतपत्र के द्वारा मतदान कराने के पहले उनकी आवश्यक दस्तावेजों से पहचान जरूर करें उसके उपरान्त उन्हें नमूना डाक मतपत्र से समझाये उसके उपरान्त उन्हें मतदान करवायें। मतदान करवाते समय निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशों 100 मीटर वाला नियम का पालन आवश्यक रूप से करें जिससे की आदर्श आचार संहिता का उल्लघंन न हों। किसी भी अव्यवस्थाओं के संबंध में नोडल अधिकारी से सम्पर्क कर तुरन्त निर्णय लें। डाक मतपत्र करवाते समय गोपनियता का विशेष ध्यान रखा जायें।

प्रशिक्षण में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किये गये डाक मतपत्र हेतु फार्म 12(क) एवं डाक मतपत्र के प्रारूप एवं लिपाफे 13(ग), 13(क) 13(ख) के बारे में समझाया गया। विशेष रूप निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशानुसार पूरी गोपनीयता और सुरक्षा के साथ डाक मतपत्र द्वारा मतदान प्रक्रिया सम्पन करावें। प्रशिक्षणार्थीयों को बताया गया कि उन्हें एआरओ द्वारा रूत चार्ट दिया जायेगा उसी के अनुसार घर-घर वोटिंग करवायें प्रत्येक मतदाता की घर पर ही वोटिंग करवायें। प्रशिक्षण के अंत में मास्टर ट्रेनर द्वारा सभी प्रशिक्षणार्थियों के मन में चल रही शंकाओं का समाधान किया।

आपराधिक प्रकरण का विज्ञापन प्रत्याशियों को इन तिथियों में जारी करना होगा

नीमच, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्णयों के परिप्रेक्ष्य में निर्वाचन लड़ रहे अभ्यर्थियों एवं राजनैतिक दलों से अपेक्षा है कि आपराधिक इतिहास का विवरण सर्वसाधारण की जानकारी के अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफार्म, टीवी चैनल एवं समाचार पत्रों में प्रकाशित की जाएगी। प्रथम प्रकाशन अभ्यर्थिता वापसी दिनांक से 4 दिवस के अन्दर (2 नवम्बर से 6 नवम्बर के मध्य), द्वितीय प्रकाशन 7 नवम्बर से 10 नवम्बर के मध्य और तृतीय प्रकाशन 11 नवम्बर से प्रचार समाप्ति तक (मतदान दिवस 17 नवम्बर से दो दिवस पूर्व दिनांक 15 नवम्बर तक) किया जाना है। आयोग के दिशा-निर्देशानुसार क्षेत्र में सर्वाधिक पढे जाने वाले समाचार पत्र एवं सर्वाधिक देखे जाने वाले टीवी चैनल पर प्रकाशित एवं प्रसारित किया जाना होगा।

प्रेक्षक श्रीमती जे.विजयारानी ने किया कांकरिया तलाई चेकपोस्ट का निरीक्षण

नीमच, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत निर्वाचन आयोग की जनरल आब्जर्वर श्रीमती जे.विजयारानी ने शुक्रवार को जावद क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर, उपलब्ध एएमएस सुविधाओं का जायजा लिया। प्रेक्षक ने कांकरिया तलाई में स्थापित बार्डर चेक पोस्ट का निरीक्षण कर, जायजा लिया और आवश्यक निर्देश भी दिए। जनरल आब्जर्वर श्रीमती जे.विजयारानी ने शुक्रवार को जावद विधान सभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्रमांक 119, 125, लालपुरा, 131 जूनी बावल, 116 मोरवन, 108 व 109 दडोली मतदान केन्द्रआ 96 डीकेन आदि का निरीक्षण कर, भवनों की स्थिति रैम्प निर्माण, सुविधा घर की उपलब्धता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, सुगम प्रवेश व निकासी की व्यवस्था सहित उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश भी दिए। प्रेक्षक ने सभी मतदान केन्द्रों पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए। इस मौके पर महाप्रबंधक उद्योग श्री अमरसिंह मोरे, प्रो.श्री प्रशांत मिश्रा, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रेक्षक जावले व श्रीमती जे.विजयारानी आमजनों से भेंट करेंगे -भारत निर्वाचन आयोग के जनरल आब्जर्वर श्री किशन नारायरण राव जावले एवं श्रीमती जे.विजयारानी का नीमच आगमन हो चुका है। प्रेक्षक श्री जावले का मोबाईल नम्बर 6268020690 एवं श्रीमती जे.विजयारानी का मोबाईल नम्बनर 6260330624 है। प्रेक्षकगण श्री जावले एवं श्रीमती जे.विजयारानी, सुखानन्द. विश्राम गृह खोर में प्रात: 9 बजे से 11 बजे तक आमजनों व आंगतुकों से मुलाकात के लिए उपलब्ध रहेंगे।

पोस्टर प्रतियोगिता के माध्यम से मतदाताओं को किया जा रहा हैं जागरूक

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव के निर्देशन में जिले में मतदाता जागरूकता की विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं जिसके तहत महिला मतदाताओं द्वारा गांव में पोस्टर प्रतियोंगिता आयोजित कर मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक किया जा रहा हैं पोस्टरों में मतदान के नारे लिखे गये सारे काम छोड़ दो सबसे पहले वोट दो वोट मेरा अधिकार इसे न करें बेकार इत्यादि लिखकर युवा मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित किया एवं शतप्रतिशत मतदान हेतु शपथ ली।

पीले चावल देकर मतदान के लिए प्रेरित किया

नीमच, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन एवं स्वीप नोडल अधिकारी श्री गुरूप्रसाद के मार्गदर्शन में शनिवार को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम पंचायत सचिवों एवं सहायक सचिवों ने दिव्यांगजनों एवं सिनियर सिटिजन को पीले चावल देकर 17 नवम्बर 2023 को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों में मतदान के प्रति काफी उत्साह देखने को मिला। इस दौरान दिव्यांसगजनों और वरिष्ठ मतदाताओं को संकल्प पत्र भी वितरित किए और सचिवों एवं सहायक सचिवों ने दिव्यांगजनों एवं वृद्धजनों का सम्मान भी किया। यह जानकारी जनपद सीईओ मनासा श्री अरविन्द डामोर द्वारा दी गई।

रैक प्वाइंट से सभी केंद्रों को बराबर खाद मिले-आयुक्त गोयल

आयुक्त उज्जैन संभाग की अध्यक्षता में खाद की समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आयुक्त उज्जैन श्री संजय गोयल की अध्यक्षता में कलेक्टर चेंबर में खाद को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान निर्देश दिए गए की रैक पॉइंट से खाद वितरण के सभी केंद्रों को बराबर खाद मिले। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। इसके साथ ही स्टॉक की लगातार मॉनिटरिंग की जाए। आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए और अतिरिक्त काउंटर भी खोल सकते हैं। किसी भी क्षेत्र में खाद वितरण को लेकर कोई समस्या न रहे। पुलिस किसानों के साथ सहयोगात्मक व्यवहार रखें। इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। पीओएस मशीन पर्याप्त मात्रा में रखें। रिजर्व मशीन भी होनी चाहिए। खाद सेंटर पर निगरानी के लिए अधिकारी लगाए जाए। बैठक के दौरान कलेक्टर श्री दिलीप कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक श्री अनुराग सुजानिया, अपर कलेक्टर श्री विशाल सिंह चौहान, किसान एवं खेती कल्याण से जुड़े विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

महिला मोर्चा ने निकाली वाहन रैली

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में पार्टी के जिला, मंडल, मोर्चा, प्रकोष्ठ अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में पार्टी के उम्मीदवार को विजय बनाने के लिए जुटे हुऐ है। इसी क्रम में मंदसौर विधानसभा में गुजरात से प्रवासी के रूप में आई महिला मोर्चा चुनाव प्रभारी मोनिका याग्निक की उपस्थिति में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष निर्मला गुप्ता के नेतृत्व में महिला मोर्चा की बहनों ने भाजपा प्रत्याशी सिसोदिया को विजय बनाने के संकल्प को लेकर वाहन रैली निकाली। रैली में प्रियंका गोस्वामी, प्रीति रोखले, रमादेवी गुर्जर, नम्रता चावला, सुनीता गुजरिया, संध्या शर्मा, महिला किरण मंडोवरा, भावना पमनानी, गंगा बैरागी, नगरी नगर पंचायत अध्यक्ष संगीता बग्गड सहित मंदसौर विधानसभा में निवासरत महिला मोर्चा जिला पदाधिकारीण एंव कार्यकर्तागण, मंडल पदाधिकारीगण एंव कार्यकर्तागण समस्त पार्षदगण बहने उपस्थित थी। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी निलेश जैन ने दी।

पुरस्कार से प्रेरणा मिलती है- डीईओ

शाबाउमाविक्र 2 में विद्यार्थियों को पुरस्कार का वितरण किया

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में इस वर्ष हुई विभिन्न गतिविधियों में जिला, संभाग तथा राज्य स्तर पर चयनित विजेता विद्यार्थियों के प्रोत्साहन हेतु पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिंज ने कहा कि पुरस्कार से प्रेरणा मिलती है तथा प्रोत्साहन मिलता है। आपने जीवन में सफलता प्राप्त करने हेतु कुछ महत्वपूर्ण सूत्रों का मंत्र भी बताया। इस अवसर पर रिटायर्ड जज श्री रघुवीरसिंह चुंडावत, जिला क्रीडा अधिकारी श्री बारीवाल उपस्थित भी थे। इसमें विद्यालय में हुई विभिन्न गतिविधियों में सफलता प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को अतिथियों के द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए और विद्यालय परिवार द्वारा पुरुस्कार प्राप्त विद्यार्थियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। संचालन श्रीमती कीर्ति सक्सेना ने किया व आभार प्रदर्शन विद्यालय के प्राचार्य धर्मपाल सिंह देवड़ा ने दिया।

दीपक सिंह चौहान एवं अन्य के इस्तीफे हुए नामंजूर

पार्टी का काम ताकत के साथ करने के निर्देश

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं मंदसौर प्रभारी श्रीमती अर्चना जायसवाल ने एक प्रेस नोट के माध्यम से बताया कि विगत दिनों सोशल मीडिया के माध्यम से पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष दीपकसिंह चौहान व उनके समर्थन में अन्य साथियों ने अपने पदों से जो इस्तीफे दिये थे, उन सभी को प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अस्वीकार कर दिया है। श्रीमती जायसवाल ने कहा कि दीपक सिंह अपने पद पर यथावत बने रहेंगे और कुछ अन्य साथियों के जो भी इस्तीफे दिए थे, वे भी अपने पदों पर यथावत रहेंगे। श्रीमती जायसवाल ने सभी को कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करने एवं प्रत्याशियों को जिता कर कमलनाथ जी को पुन:: मुख्यमंत्री बनाने के लिए लगातार काम करने का निर्देश जारी किया है। उपरोक्त जानकारी संगठन मंत्री राजेश रघुवंशी ने प्रदान की है।

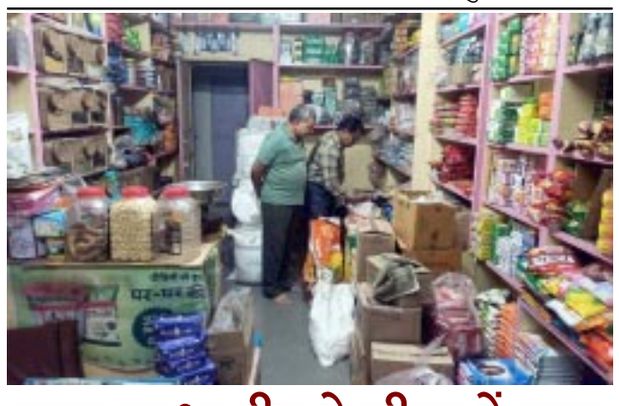

खाद्य सुरक्षा टीम ने जीरन में खाद्य सामग्री के सात नमूने लिए

नीमच, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के निर्देशन में आगामी त्योहार को देखते हुए जिले मे आमजनों को शुद्ध एवं गुणवत्ता युक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य् से जीरन मे 5 खाद्य प्रतिष्ठानो का खाद्य सुरक्षा टीम ने शुक्रवार निरीक्षण किया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री यशवंत कुमार शर्मा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा टीम व्द्रा जीरन में शुक्रवार को चमन.सुपर मार्केट बस स्टैंड के पास जीरन, रामदेव जोधपुर मिष्ठान बस स्टेंड जीरन, समता सुपर मार्केट बस स्टैंड जीरन, होटल सुविधा बस स्टैंड जीरन व मानमल राजमल किराना बस स्टे,ण्ड जीरन की जांच की गई। जांच के दौरान चमन सुपर मार्केट से सफल सूजी पैक व केडबरी सेलिब्रेशन पैक, समता सुपर मार्केट से दम्माणी मुंगफली तेल पैक, लालकिला तिल तेल व बेसन लूज ,रामदेव जोधपुर मिष्ठान से केसर बरफी व होटल सुविधा से मावा बरफी इस तरह कुल 7 नमूने लिए गए है। नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा जा रहा है। यह जांच कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

मतदाता जागरूकता अभियान तहत रन फॉर डेमोक्रेसी आयोजित

नीमच, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय बालक उ.मा.वि. क्रमांक 2 नीमच के तत्वाधान में शनिवार को शिक्षा विभाग द्वारा रन फॉर डेमोक्रेसी आयोजित की गई। दौड का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर प्रात 8 बजे शा.बालक उ.मा.वि. क्रमांक 2 नीमच के मैदान से हुआ। यह दौड सब्जी मंडी चौराहा, कमल चौक से होते हुए पुन: क्रमांक 2 मैदान पर समाप्त हुई। दौड में सबसे आगे मशाल लेकर खिलाडी दौड रहे थे, उनके पीछे बड़ी संख्या में शा.बा.उ.मा.वि.क्र.2 नीमच, शा.माडल स्कूल नीमच, उत्कृष्ट विद्यालय नीमच के बालक बालिकाओं के साथ ही शिक्षक-शिक्षिकाएं खिलाडी, खेल युवा कल्याण विभाग नीमच के अधिकारी-कर्मचारियों ने सहभागिता की। दौड समाप्ति के पश्चात सभी को मतदाता शपथ प्रभारी प्राचार्य श्री राधेश्याम धाकड ने दिलाई। कार्यक्रम का संचालन एंव आभार प्रदर्शन श्री भरत सिंह कुमावत ने किया।

हवा में बढ़ रहे धूल के कण

अस्थमा-हार्ट के मरीजों को बढ़ सकती है समस्या

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर की हवा में धूल के कण बढ़ गए हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मढाताल रियल टाइम मॉनीटरिंग सिस्टम की रिपोर्ट के अनुसार दिन में कई बार पीएम 2.5 व पीएम 10 के कण प्रति घन मीटर 350 तक पहुंच रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार वायु गुणवत्ता खराब होने और सीधे हवा के संपर्क में रहने से लंग्स, अस्थमा, हार्ट के मरीजों की समस्या बढ़ सकती है।

सांस की तकलीफ...

विशेषज्ञों के अनुसार ठंड का सीजन शुरू होने के साथ ही लंग्स, अस्थमा, हार्ट के मरीजों को तकलीफ होने लगती है। ऐसे में अगर वे धूल के संपर्क में लगातार रहते हैं तो समस्या और बढ़ जाती है। इसी कारण ऐसे मरीजों को धूल वाले क्षेत्रों में जाने या वाहन से आवाजाही करने के दौरान नाक-मुंह ढंककर रखने की सलाह दी जाती है।

पानी का छिड़काव नहीं...

शहर के प्रवेश प्वॉइंट सुहागी में हवा में धूल से लेकर कार्बन डाईऑक्साइड के कण बढ़े हुए हैं। तीसरे रियल टाइम मॉनीटरिंग सिस्टम वाले इलाके में वायु गुणवत्ता फिलहाल संतुलित है। विशेषज्ञों के अनुसार शहर की वायु गुणवत्ता को संतुलित रखने के लिए सपाट सड़को की नियमित रूप से स्वीपिंग मशीन से सफाई होनी चाहिए। इसके साथ पानी के छिडक़ाव, सभी चौराहों के फव्वारे चलाने का विकल्प अपनाया जा सकता है।

इतिहासविद बोराना का हुआ सम्मान

पिपलियामंडी, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। अति पिछड़ा वर्ग उत्थान समिति मध्यप्रदेश द्वारा जबलपुर में सामाजिक न्याय के सूत्रधार, जननायक कर्पूरीठाकुर का जन्म शताब्दी समारोह मनाया। इसमें शामिल हुए पिपलियामंडी के इतिहासविद् श्यामलाल बोराना ने कहा कि अति पिछड़ा वर्ग का उत्थान कर्पूरी ठाकुर फार्मूला जो बिहार और तमिलनाडु में लागू है, इस वर्ग का हित उसी से है। आयोजन के अतिथि बेतूल के पूर्व विधायक डॉ. सुनीलम, पटना हाईकोर्ट एडवोकेट रामेश्वर ठाकुर, पूर्व मंत्री योगेन्द्र भारती (देवास) थे। कार्यक्रम में साहू, धनगर, चक्रवति, प्रजापति, नामदेव, ताम्रकर, सेन, शिवहरे, रजक, विश्वकर्मा, चोरसिया, बारी, कोस्टा, गड्वाल, लखेरा सौंधिया, नायक करीब 20 अति पिछड़ा वर्ग के समाज अध्यक्ष व वरिष्ठजनों, समाज के प्रमुखों ने विचार रखे। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रतिभासिंह जबलपुर, मप्र अति पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष संजय सेन, यूपी केगौरवनन्द आदि ने बताया मप्र के प्रत्येक संभाग में जन नायक कर्पूरी ठाकुर जन्म शताब्दी समारोह मनाया जाएगा। रामेश्वर ठाकुर ने बताया 9 दिसम्बर को दिल्ली में एनडी तिवारी हाल में समाजों के वरिष्ठों की बैठक रखी है। 17 फरवरी 2023 को दिल्ली रामलीला मैदान पर पूरे भारत के अति पिछड़ा समाजजनों की उपस्थिति में कर्पूरी ठाकुर को जन्म शताब्दी समारोह मनाया जाएगा।

नुक्कड़ नाटक के साथ छात्र-छात्राओं ने मतदाता जागरूक रैली निकाली

नगरी, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मतदाता जागरूकता के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगरी के छात्र-छात्राओं द्वारा निबंध लेखन ,स्लोगन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक का बस स्टैंड नगरी पर आयोजन किया गया एवं विद्यालय से नगर परिषद नगरी से होते हुए बस स्टैंड तक मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रैली निकाली गई तथा मतदान केंद्र पर नियुक्त वॉलिंटियर्स को इसका प्रशिक्षण भी दिया गया एवं विद्यालय में छात्र-छात्राओं को मतदान की प्रक्रिया , मतदान के महत्व से अवगत कराया गया तथा छात्र-छात्राओं के माध्यम से उनके परिवार को जागरूक करने हेतु जागरूकता पाती लिखवाई गई। उपयुक्त सभी कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रीता शर्मा और नोडल अधिकारी श्री यशवंत धाकड के मार्गदर्शन में हुआ। जिसमें नप सीएमओ धर्मचंद जैन स्टाफ के सभी सदस्य और शिक्षक साथी अनिल सुथार ,शंकर सिंह चौहान,कमलेश धाकड, भंवरलाल सागित्रा ,गोपाल धाकड, मोहनलाल डोहरा, रीलीफ पछोलिया एवम अन्य सभी अतिथि शिक्षक भी सम्मिलित रहे। विद्यार्थियों द्वारा शीं मशीन का मॉडल बनाकर वोटिंग की प्रोसेस के बारे में जानकारी आम जन तक पहुचाई गई। उपयुक्त सभी कार्यक्रम नगरी पर आयोजन किया गया एवं विद्यालय से नगर परिषद नगरी से होते हुए बस स्टैंड तक मतदाता जागरूकता अभियान के तहत रैली निकाली गई तथा मतदान केंद्र पर नियुक्त वॉलिंटियर्स को इसका प्रशिक्षण भी दिया गया एवं विद्यालय में छात्र-छात्राओं को मतदान की प्रक्रिया , मतदान के महत्व से अवगत कराया गया तथा छात्र-छात्राओं के माध्यम से उनके परिवार को जागरूक करने हेतु जागरूकता पाती लिखवाई गई। उपयुक्त सभी कार्यक्रम प्रभारी प्राचार्य श्रीमती रीता शर्मा और नोडल अधिकारी श्री यशवंत धाकड के मार्गदर्शन में हुआ। जिसमें स्टाफ के सभी सदस्य और शिक्षक साथी अनिल सुथार ,शंकर सिंह चौहान,कमलेश धाकड, भंवरलाल सागित्रा ,गोपाल धाकड, मोहनलाल डोहरा, रीलीफ पछोलिया एवम अन्य सभी अतिथि शिक्षक भी सम्मिलित रहे। विद्यार्थियों द्वारा शीं मशीन का मॉडल बनाकर वोटिंग की प्रोसेस के बारे में जानकारी आम जन तक पहुचाई।

फुटबॉल लीग का फाइनल आज

मंदसौर, 4 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नूतन स्टेडियम में खेली जा रही साई फुटबॉल लीग का फाइनल आज 11:00 बजे से होगा मैच से पूर्व खिलाड़ियों को मतदाता जागरूकता हेतु दिलाई जाएगी शपत साई फुटबॉल क्लब मंदसौर द्वारा नियमित रूप से अभ्यास कर रहे 70 से अधिक जूनियर सीनियर व मिनी वर्ग के फुटबॉल खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास हेतु लीग का आयोजन किया जा रहा है इसमें सभी आयु वर्ग को मिलाकर 6 टीम में बनाई गई जिसमें ऑल स्टार, कोक्करर जंगली बालाजी सेवन स्टार किंग 7 और 7 स्ट्राइकर टीम में शामिल है प्रत्येक टीम में दो सीनियर दो जूनियर व मिनी आयु वर्ग के खिलाड़ी सम्मिलित किए गए हैं इस प्रतियोगिता को करने का उद्देश्य खिलाड़ियों में आपसी तालमेल को बढाना व मंदसौर फुटबॉल को गति प्रदान करना है आज के मैच के मुख्य अतिथि के रूप में एनसीसी अधिकारी विजेंद्र पुरावत उपस्थित थे खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए खेल व खिलाड़ियों के महत्व के बारे में बताया।

कल सुबह 9:00 बजे पहला सेमीफाइनल सेवन स्ट्राइकर व जंगली बालाजी के बीच खेला जाएगा वहीं दूसरा सेमीफाइनल किंग्स सेवन वह कंक्रेरर्स के बीच खेला जाएगा इन दोनों सेमीफाइनल में विजेता रहने वाली टीम फाइनल मैच खेलेगी। प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठप्लेयर को फुटबॉल शूज व विजेता टीम को शर्ट यातायात सूबेदार श्री शैलेंद्र सिंह जी की ओर से प्रदान किए जाएंगे।

भाजपा सरकार ने गांव, गरीब और किसान के लिए काम किया-सिसौदिया

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी से मंदसौर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी और विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया ने मंदसौर विधानसभा क्षेत्र में दलोदा मंडल के विभिन्न गांवों का दौरा किया और विकास की उपलब्धियां को गिनाया। इस दौरान ग्रामीण जनता ने उनका स्वागत किया।

प्रत्याशी यशपाल सिंह सिसोदिया गांव. तोलखेड़ी, नाईखेड़ी, पिपलिया मुजावर, निम्बाखेड़ी, बानीखेड़ी, एलची, पाल्या लालमुंहा, सेमलिया हीरा, रामनगर, चौसला, पिपलखेड़ी, कटलार, करजू पहुंचे। इस दौरान उनके साथ भाजपा जिला महामंत्री श्री विजय अठवाल, गणपत सिंह आंजना, पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र सुराणा, भाजपा जिला मंत्री श्री नरेन्द्र पाटीदार, भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास सुराणा, जिला पंचायत सदस्य विजय मेहता, मंडल प्रभारी राजेश पालीवाल, ईश्वर लाल पाटीदार, चंद्रशेखर मंडलोई, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष हेमंत धनोतिया, पिछड़ा मोर्चा जिला महामंत्री श्री सुमित सेन, फतेहसिंह आंजना, जगदीश पाटीदार, गजेंद्र सिंह सिसोदिया, विनोद मालवीय,नंदकिशोर माली, हरिवल्भ पाटीदार, राजुकुमावत, विनोद धनोतिया, महेश सेन, दीपक पोरवाल, जवाहर लाल पाटीदार,दिनेश पंवार, घनश्याम बग्गढ, दसरथ बैरागी , राजमल पाटीदार, भवानी प्रताप सिंह सिसोदिया, अजय शर्मा, भगवान सिंह भांडरिया, जयराज सिंह सिसोदिया समेत भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता साथ थे।

कोरोना के टीकों से युवाओं में बढ़ रही है हार्ट अटैक की बीमारी, बंसल ने लिखा पीएम को पत्र

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस।

कोरोना का प्रकोप भले ही अभी नहीं है किन्तु उसका दुष्प्रभाव बना हुआ है। बढते हुए हार्ट अटैक और विशेषकर युवाओं बहुत चिंताजनक है। जिन्हें कोरोना हुआ या कोरोना के तीनों डोज लगे हैं उनमें हार्ट अटैक की समस्या लगातार बढती जा रही है।

यह चिंता पार्षद व समाज सेवी सुनील बंसल ने एक सांसद सुधीर गुप्ता के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे एक पत्र लिख कर की है और इस दिशा में गंभीर कदम उठाने का उनसे अनुरोध किया है। एक वक्तव्य में उन्होंने बताया कि कोरोना में जो टीके लगे हैं और जो बूस्टर डोज लगा है उसके बाद कहीं ना कहीं कोई भी विसंगति उस दवा में है या कोई साइड इफेक्ट है जिसकी वजह से व्यक्तियों में हार्ट अटैक की समस्या दिन पर दिन बढती जा रही है। उससे मृत्यु तो हो ही रही है व्यक्ति परेशान तथा और आर्थिक रूप से भी टूट रहा है सरकार को चाहिए कि बढते हुए हार्ट अटैक की बीमारी को देखते हुए इसकी रोकथाम के गंभीर प्रयास करना चाहिए। जनता को सही स्थिति से अवगत कराया जाए उन्हें क्या सावधानियां रखनी है या कौन सी जांच करनी है और अगर कोरोना की दवा की वजह से हार्ट अटैक हो रहे है तो सरकार को सारी जांच को निशुल्क करवानी चाहिए ताकि आमजन में एक विश्वास बने और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हो। श्री बंसल ने कहा कि इस बात को विश्व स्वास्थ्य संगठन और अनेक संगठनों ने और स्वास्थ्य मंत्री ने भी कहीं न कहीं स्वीकार की है अत: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से अनुरोध है कि इस संबंध में एक गाइडलाइन तय करें एवं इसका प्रचार प्रसार कर जनता को होने वाले हार्ट अटैक से सतर्क करें उनकी जांच निशुल्क करें और इलाज भी।

बाईक की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत, दो घायल

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बीती रात दो बाइक के आपस में टकराने से हुए हादसे में एक युवक की मौत हो गई। जबकि, दो व्यक्ति घायल हो गए। जिनका उपचार किया जा रहा हैं।

जानकारी के अनुसार, वायडी नगर थाना क्षेत्र के प्रतापगढ़ रोड मल्याखेड़ी गांव के पास शुक्रवार रात 2 बजे दो बाइक की आपस में भिड़ंत हो गई। इस हादसे में मोहित पिता दिनेश कुमार जैन उम्र 30 साल निवासी जैन कॉलोनी मंदसौर की मौत हो गई। जबकि, दूसरी बाईक पर सवार इमरान पिता आबिद हुसैन उम्र 22 साल और अनवर पिता इब्राहिम उम्र 40 साल दोनों निवासी प्रतापगढ़ घायल हो गए। हादसे की सूचना के बाद वायडी नगर पुलिस ने एम्बुलेंस की सहायता के घायलों को बड़े अस्पताल पहुंचाया।

मेडीकल रिपोर्ट में फेक्चर आने पर 5 के खिलाफ केस दर्ज

पिपलियामंडी, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मारपीट के मामले में मेडीकल रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने 5 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। लसुड़िया कदमाला निवासी कस्तूरीबाई पति बाबूलाल मेघवाल ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत की मेड के विवाद में नारायण, उसकी पत्नी शांतिबाई, मन्जूबाई, गौरीशंकर ने गाली-गलौज की व मारपीट की, जिससे उंगलियों व कलाई पर चोंट आई थी। मेडीकल रिपोर्ट में फेक्चर आने के बाद पुलिस ने पांचों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

सोजतिया ने किया ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क

भानपुरा, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गरोठ भानपुरा विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी सुभाष कुमार सोजतिया ने शनिवार 4 नवंबर को गरोठ क्षेत्र के 16 ग्रामों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान सभी ग्रामों में श्री सोजतिया का पुष्प हारो से स्वागत किया। श्री सोजतिया ने शनिवार सुबह गरोठ क्षेत्र के ग्राम भुंडिया रुंडी से जनसंपर्क का शुभारंभ कर ग्राम खींची का डेरा, सुरावत का डेरा, बगाडा का खेडा, पंडरिया, एरी, बघुनिया, गोपालपुरा का खेडा, गोपालपुरा, पुनिया खेडी, लसूड़िया, रलायती, रलायती का खेड़ा, देवरिया का खेडा, चोकटिया, चचावदा पठारी मे ग्रामीणों के बीच पहुंचकर जनसंपर्क किया।

महिला को पीटा, पुत्र व बहू पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। महिला के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने पुत्र व बहू के खिलाफ केस दर्ज किया। फतेहपुर निवासी जशोदाबाई ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि घरेलू विवाद में पुत्र हेमशंकर व उसकी पत्नी निर्मलाबाई ने मिलकर लकडी से पीटा व गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी।

जमीन विवाद में पीटा, 3 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जमीन विवाद को लेकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। करणपुरा जिला उदयपुर निवासी मांगीलाल पाटीदार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि पिछले 14 वर्षों से बहन मांगीबाई पति स्व. छगनलाल पाटीदार के यहां रह रहा हूं, जमीन विवाद के लेकर मेरी बहिन के जेठ बालमुकुन्द के लडके लक्ष्मीनारायण, देवर कंवरलाल का लडका महेश व देवरानी हंसकूरीबाई ने गाली-गलौज की व मारपीट की। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

संयुक्त उठावना एवं शोक निवारण

मेरा ज्येष्ठ पुत्र एवं स्व. विनय कुमार, सुरेश कुमार, नरेंद्र कुमार, अजीत कुमार का भतीजा, पंकज (पियूष) मनीष, नितिन, अंकित का छोटा भाई पलाश, डॉ. सिद्धार्थ, आदिश का बडा भाई एवं आदिव्य के पूज्य पिताजी, पुनमचंद, रखबचंद इंदौर वाले के दामाद जी श्री मोहित जैन थंबावाला का दिनांक 3 नवम्बर शुक्रवार को आकस्मिक निधन हो गया। जिनका संयुक्त उठावना एवं शोक निवारण आज 5 नवम्बर, रविवार को सुबह 10.30 बजे ओसवाल लोढेसाथ जैन धर्मशाला गीता भवन रोड मंदसौर पर रखा गया है।

***** शोकाकुल *****
दिनेश कुमार जैन थंबावाला एवं थंबावाला परिवार मन्दसौर एवं पूनमचंद रखबचंद इंदौर

बुजुर्ग मतदाताओं ने निर्वाचन पाठशाला में आकर दिखाया उत्साह

मंदसौर, 4 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के अंतर्गत मंदसौर जिले के डाईट परिसर में संचालित निर्वाचन पाठशाला का आयोजन किया गया जिसमें में बुजुर्ग मतदाताओं ने चुनाव संबंधी जानकारी को बडे उत्साह के साथ जाना। निर्वाचन पाठशाला प्रभारी डॉ सुनीता गोधा ने बताया कि सर्वप्रथम बुजुर्ग मतदाताओं में श्रीमती हीरा श्रीवास्तव, श्रीमती सरोज माथुर, श्रीमती शांता दुबे, श्रीमती सोहन देवी टेलर का जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री टेरेसा मिंज ने माला पहनाकर स्वागत किया। जिला शिक्षा अधिकारी ने मंदसौर जिले के युवा, बुजुर्ग मतदाताओं से शत प्रतिशत मतदान करने का आह्वान एवं अपील की। बुजुर्ग मतदाताओं ने पाठशाला में बने सेल्फी पॉइंट पर अपने फोटो भी खिंचवायें एवं अपने अन्य साथियों से भी शत-प्रतिशत मतदान करवाने का संकल्प लिया। पाठशाला में पहली बार मतदान करने वाले युवा मतदाता भी प्रतिदिन निर्वाचन पाठशाला में आकर अपनी जिज्ञासा का समाधान कर रहे हैं। निर्वाचन पाठशाला में मास्टर ट्रेनर अजय चेलावत, स्वदेश श्रीवास्तव, अलका अग्रवाल, दिलीप मुजावदिया प्रतिदिन विभिन्न विभागों से आए मतदान कराने वाले कर्मचारियों को भी निर्वाचन संबंधी प्रशिक्षण प्रतिदिन प्रदान कर रहे हैं।

कांग्रेस के दो नेताओं में चल रहा... पेज 1 से जारी

लड रहे हैं। लडाई इस बात की है कि किसका बेटा मध्य प्रदेश कांग्रेस पर कब्जा करेगा। कांग्रेस सिर्फ परिवारवाद का परचम लहरा सकती है। मध्य प्रदेश का परचम लहराना कांग्रेस के बस की बात नहीं है। भाजपा ही आपको आगे लेकर जाएगी। आपका सपना पूरा करना ही मोदी का संकल्प है।

दिल्ली वालों का हिसाब-किताब बदल जाएगा-मोदी ने दिल्ली में सर्वे कर जीत-हार की भविष्यवाणी करने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जो लोग दिल्ली में बैठकर गुणा-भाग करते रहते हैं, आज उनका हिसाब-किताब बदल जाएगा। अब चर्चा यह नहीं होगी कि कौन जीतेगा? चर्चा यह होगी कि भाजपा दो-तिहाई बहुमत लेगी या उससे कम रहेगी।

पांच साल और मिलेगा गरीबों को मुफ्त राशन-मोदी ने कहा कि 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन देने वाली योजना दिसंबर में खत्म हो रही है। मोदी का निश्चय है कि आने वाले पांच साल के लिए इसे बढाया जाएगा। 80 करोड देशवासियों का चूल्हा जलता रहे, यह मोदी की गारंटी है। गरीबों को मुफ्त राशन मिलता रहेगा। जो पैसे बचेंगे, गरीब जीवन की अन्य आवश्यकताओं पर खर्च कर सकेगा। मोदी जब गारंटी देता है तो उसे पूरी करने की गारंटी भी साथ देता है।

मामा को भी याद किया मोदी ने-मोदी ने कहा कि लोग कहते हैं कि एमपी के मन में मोदी है और मोदी के मन में एमपी है। बहनों की बात होती तो मामा (शिवराज) याद आ ही जाता है। मध्य प्रदेश में हजारों महिलाएं लखपति बनी हैं। उनके नाम पर पहली बार कोई संपत्ति हुई है। शहरों में रहने वाले मध्यम वर्ग के लोगों का अपने घर का सपना पूरा हो, इसके लिए गंभीरता से काम कर रही है। मोदी पहला प्रधानमंत्री है, जिसने शहरी मध्यम वर्ग के लिए घरों की योजना बनाई है।

जाहिर सूचना

दिनांक 3/11/2023

सर्व साधारण को इस जाहिर सूचना के माध्यम से सूचित किया जाता है कि मैं विपिन पिता सुभाषचंदजी जैन निवासी दलौदा चौपाटी तह. दलौदा जिला मंदसौर (म.प्र.) विधानसभा क्षेत्र क्रं. 224 मंदसौर से इंडियन नेशनल कांग्रेस का अधिकृत प्रत्याशी हूं। सूचित हो की मेरे या मेरे निर्वाचन अभिकर्ता (इलेक्शन एजेंट) की लिखित सहमति/अनुमति के बगैर मेरी और से या मेरे लिये किसी भी प्रकार की प्रचार सामग्री फ्लेक्स, बेनर, पोस्टर, स्टीकर, पेंपलेट्स इत्यादी सामग्री का मुद्रण या प्रकाशन आदि ना करे ना ही सोशल मीडिया पर आदर्श आचार संहिता के विपरित मुझसे जूडी कोई पोस्ट प्रसारित न करें। यदि ऐसा किया जाता है तो इसके लिए ऐसा करने वाला स्वयं उत्तरदायी होगा।

भवदीय
विपिन जैन (कांग्रेस प्रत्याशी)
विधानसभा क्षेत्र 224, मंदसौर

परिशिष्ट 47
प्रारूप सी-1 से सी-8 और सीए
प्रारूप C-1

अपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(माननीय सर्वोच्च न्यायालय के डब्ल्यूपी (सिविल) संख्या 536/2011 (सार्वजनिक) में दिनांक 25 सितंबर 2018 के फैसले के अनुसार इंटरेस्ट फाउंडेशन और अन्य। बनाम भारत संघ एवं अन्य)

उम्मीदवार का नाम व पता :- यशपाल सिंह सिसोदिया नि. 8,9,10 यश नगर मंदसौर

राजनीतिक दल का नाम :- भारतीय जनता पार्टी

(निर्दलीय उम्मीदवारों को यहां स्वतंत्र लिखना चाहिए)

चुनाव का नाम:- विधान सभा 2023

निर्वाचन क्षेत्र का नाम :- 224 मंदसौर

मैं यशपाल सिंह सिसोदिया (उम्मीदवार का नाम), उपर्युक्त चुनाव के लिए एक उम्मीदवार, सार्वजनिक जानकारी के लिए मेरे अपराधिक इतिहास के बारे में निम्नलिखित विवरण घोषित करता हूं :-

(ए) लंबित आपराधिक मामले

क्र. सं.	न्यायालय का नाम	केस संख्या और दिनांक	केस की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धाराएं और अपराध का संक्षिप्त विवरण
01	लागु नही	कोतवाली अप. क्रं. 21/20 दिं. 12 जनवरी 2020	विवेचना	188 भादवि (144 सीआरपीसी का उल्लंघन आदेश)
02	लागु नही	वायडी नगर अप.क्रं.536/19 दि.4.11.2019	विवेचना	188 भादवि (144 सीआरपीसी का उल्लंघन आदेश)

(बी) आपराधिक अपराधों के लिए सजा के मामलों के बारे में विवरण

क्र. सं.	न्यायालय का नाम ओर आदेश (आदेशों) की तारीख (तारीखें)	पद (ओं) दण्ड का विवरण थोपा	अधिकतम सजा दी गई
लागु नही	लागु नही	लागु नही	लागु नही
लागु नही	लागु नही	लागु नही	लागु नही

विधानसभा 224 मंदसौर

यशपाल सिंह सिसोदिया
उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी
विधानसभा 224 मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्या एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in